विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 6 से 12 नवंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 25 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

ज़ीवन में परमात्मा ने जो जिम्मेदारी दी है, उसे अगर हम सही तरीके से निभाते हैं और किसी का भी मन दुखित नहीं करते हैं तो यह भी एक प्रकार की पूजा है. शास्त्रों में भी कहा गया है कि किसी को पीड़ा पहुंचाने से बड़ा पाप नहीं और किसी के चेहरे पर हंसी लाने से बड़ा पुण्य नहीं है. याद रखें प्रभाव से नाम अमर नहीं होता है लेकिन आपका स्वभाव आपको अमर कर देता है.

भाजपा-आयोग को बताया फिर वोट चोर

विपक्षी नेता राहुल गांधी का आरोप, भाजपा, चुनाव आयोग ने बताया निराधार

विदर्भ स्वाभिमान,5 नवंबर

नई दिल्ली- लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संकेतों में देश की युवा पीढ़ी से संकेतों में सड़क पर उतरने की अपील की. उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले वोट चोरी का मुद्दा फिर से उछाला. राहुल गांधी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दावा किया कि पिछले साल हरियाणा में हुआ विधानसभा चुनाव जीता नहीं गया, बल्कि 25 लाख फर्जी वोटों के सहारे 'चोरी' किया गया. उन्होंने न सिर्फ हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार को 'अवैध' करार दिया, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर भी गंभीर आरोप मढ़ दिए. राहुल के आरोपों पर निर्वाचन आयोग और बीजेपी, दोनों ने तीखे जवाब दिए.

राहुल गांधी ने दावा किया कि हरियाणा में 25,41,144 फर्जी मतों के जरिए 'वोट चोरी' को अंजाम दिया गया. उन्होंने कहा कि यह कोई मामूली गड़बड़ी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया 'लोकतंत्र की हत्या' है. राहुल ने कहा कि सभी एग्जिट पोल हरियाणा में कांग्रेस की जीत दिखा रहे थे, लेकिन नतीजे ठीक उलट आए, जिससे उन्हें जांच करने पर मजबूर किया.अपने आरोपों को वजन देने के लिए राहुल गांधी ने कई

उदाहरण पेश किए. उन्होंने एक दावा किया कि हरियाणा की मतदाता सूची में एक ब्रजीलियाई मॉडल का नाम है और उसके नाम पर बने फर्जी वोटर कार्ड से 10 अलग-अलग बूथों पर 22 बार वोट डाले गए. राहुल ने सवाल उठाया कि यह सब एक सेंट्रलाइज्ड सिस्टम के बिना कैसे संभव हो सकता है? यह पहली बार नहीं है जब विपक्ष के नेता ने इतने सीधे तौर पर चुनाव आयोग पर हमला बोला है. राहुल गांधी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों आयुक्तों की तस्वीर दिखाते हुए आरोप लगाया कि वे इस 'वोट चोरी' में भाजपा के साथ 'भागीदार' हैं. उन्होंने कहा, 'इन सज्जनों ने भाजपा के साथ मिलकर यह सुनिश्चित किया कि कांग्रेस हरियाणा में न जीत सके.' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने भी इसे 'मोदी-शाह मॉडल' बताते हुए कहा कि जब जनसमर्थन न मिले, तो मतदाता सूची ही बदल दो.राहुल ने इस कथित घोटाले को महज एक राज्य तक सीमित नहीं बताया. उन्होंने इसे 'वोट चोरी की व्यवस्था' **शेष पेज 2 पर**

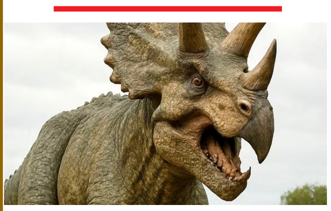

डायनासोर का उत्तर प्रदेश में मिला जीवाश्म

लखनऊ-उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित शिवालिक पहाड़ियों से निकली सहंसरा नदी के किनारे एक बड़ी खोज हुई है. यहां ट्राईसेरा टॉप्स प्रजाति के डायनासोर का जीवाश्म मिला है. यह खोज वैज्ञानिकों और पर्यावरणविदों के लिए बेहद अहम मानी जा रही है.पर्यावरणविद् डॉ. उमर अली सैफ ने बताया कि इस जीवाश्म में डायनासोर की नाक का सींग और आंशिक पंख मौजूद हैं. इसकी लंबाई करीब 46 सेंटीमीटर, मोटाई 4 सेंटीमीटर और चौड़ाई 9 से 15.5 सेंटीमीटर तक है, जबकि अंतिम सिरे की चौड़ाई 8 सेंटीमीटर है.मिले हुए जीवाश्म की लंबाई 330 मीटर और बीच की मोटाई 55 मिलीमीटर है. इसका आकार दोधारी कटार जैसा है, जो ट्राईसेरा टॉप्स के नाक के सींग से मेल खाता है.

भारत में गोल्ड पॉलिसी नहीं होने से लगा है बड़ा चूना

विदर्भ स्वाभिमान,5 नवंबर

नई दिल्ली- साल 2025 में सोने के दाम चीते की रफ्तार से भाग रहे हैं. इसे देखकर निवेशक भी हैरान रह गए. साल की शुरुआत से अब तक 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. इंटरनेशनल मार्केट में सोने की कीमत 4,000 प्रति औंस के पार चली गई हैं. यह अब तक का ऐतिहासिक स्तर माना जा रहा है. भारत के सामने एक मुश्किल स्थिति खड़ी हो गई है. ऐसे समय में भारतीय स्टेट बैंक के इकॉनमिक रिसर्च डिपार्टमेंट ने एक अहम रिपोर्ट जारी की है. इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत को अब एक विस्तृत और लॉन्ग टर्म गोल्ड पॉलिसी की जरूरत है.

रिसर्च की इस रिपोर्ट में सोने की

बढ़ती कीमतों, घरेलू सप्लाई पर पड़ रहे दबाव और इसके इंपोर्ट पर निर्भरता जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई है. रिपोर्ट के अनुसार, रिजर्व बैंक के गोल्ड होल्डिंग्स की वैल्यू तो बढ़ी है, लेकिन घरेलू मांग कमज़ोर हो गई है. सप्लाई पर इंपोर्ट का दबदबा बना हुआ है. हालांकि, इससे सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पर सरकार का नुकसान भी बढ़ गया है, जिससे पता चलता है कि रिकॉर्ड वैल्यूएशन के **शेष पेज 2 पर**

श्री वेंकटाचल की महिमा

कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा की पेज 4 पर अवश्य पढ़ें. जय गोविंदा,जय गोविंदा.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

किसानों को स्थायी समाधान दिया जाना चाहिए

आजादी के बाद से अगर सरकारें ऐसी नीति नहीं बना सकी, जिससे किसानों पर आत्महत्या की नौबत नहीं आए तो निश्चित तौर पर यह प्रशासन की विफलता ही कहनी चाहिए. किसानों की दिक्कतों ने सभी को त्रस्त कर दिया है. यही कारण है कि आज भी किसान आत्महत्या के लिए विवश हो गया है. किसानों की दिक्कत यह है कि वह जीतोड़ मेहनत करने के बाद भी समस्याओं से जूझता है. नेतृत्व को किसानों की भलाई के लिए तत्काल समुचित कदम उठाना चाहिए.

किसानों की स्थिति सदा ही चिंतनीय रहती है. कभी मौसम की मार तो कभी वन्यजीवों का खतरा और इन सबसे अगर बचकर फसल भरपूर हो तो उसका भाव बाजार में कम हो जाता है. यानी सबसे अधिक मेहनत करने के बाद भी सबसे अधिक परेशानी झेलने के लिए किसान ही विवश है. इस साल जिले में बेमौसमी बारिश ने सभी किसानों के मुंह का निवाला छीन लिया है. कपास, सोयाबीन के साथ ही तुअर और संतरे को भारी नकसान हुआ है. साल के खरीफ हंगाम में लगातार तीन-चार बार हुई अतिवृष्टि के कारण जिले के किसानों का खरीफ मौसम प्रभावित हुआ है. लगभग सभी राजस्व मंडल के किसानों को भारी नुकसान हुआ है और अब सभी की नजरें रबी मौसम पर टिक गई हैं. खरीफ की हानि की भरपाई करने के लिए किसानों की पूरी उम्मीद अब रबी की फसलों पर है. वन्यजीवों द्वारा किया गया नकसान भी किसानों को सताता है, शहर के साथ ही जिले में वरूड़-मोर्शी क्षेत्र में तेंदुओं का खौफ बढ़ता जा रहा है. इससे रात्रि में किसानों का घर के बाहर निकलना मुश्किल हो गया है.

तहसील के कुछ क्षेत्रों में किसान बुआई की तैयारी कर रहे हैं, जबकि कुछ स्थानों पर बुआई भी शुरू हो चुकी है। लेकिन घने बादल और फिर से बारिश की संभावना के कारण किसानों की चिंता अभी भी बनी हुई है। मौसम में बदलाव और लगातार बारिश की वजह से खेतों में कीचड़ और नमी बनी हुई है, जिससे खेती और बुआई में देरी हो रही है। इस साल के खरीफ मौसम में लगभग 11,746 हेक्टेयर क्षेत्रफल में सोयाबीन की बुआई हुई थी, लेकिन अतिवृष्टि के कारण लगभग सभी फसलें बर्बाद हो गई. सोयाबीन की कटाई के दौरान भी कुछ क्षेत्रों में बारिश और खेतों में कीचड़ के कारण फसल उठाने में मुश्किलें आई. इस वजह से किसान आर्थिक तंगी में फंसे हैं. 2025-26 रबी मौसम के लिए तहसील में अनमानित क्षेत्रफल लगभग 6,000 हेक्टेयर है, जबकि पिछले साल यह क्षेत्रफल 7,500 हेक्टेयर तक था. इस साल कपास की फसल खरीफ में अधिक होने के कारण रबी के लिए क्षेत्रफल कम होने की संभावना है. वहीं, जिन किसानों के पास पर्याप्त पानी है, वे गेहूं की बुआई भी कर सकते हैं. इस मौसम में मख्य रूप से ज्वार, चना और गेहूं की फसलें उगाई जाएंगी.किसानों की स्थिति लगातार बदहाल हो रही है और किसान आत्महत्याएं भी बढ़ी हैं. बच्चू कडू के आंदोलन से सरकार पर क्या फर्क पड़ता है, यह आने वाले समय में पता चलेगा लेकिन इतना तय है कि हमेशा बलि का बकरा किसानों को ही बनता पड़ता है.

तिवारीपट्टी के हीरा हैं देवराज तिवारी

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

छोटे से गांव से शहर में आने के बाद भी मिट्टी की सुगंध को याद करने वाले सम्पन्न लोगों में बहुत कम लोग ऐसे होते हैं, जो मिट्टी से ताना जोड़े रखते हैं. अमरावती के जाने-माने व्यवसायी तथा सामाजिक कामों में अग्रणी देवराज तिवारी ऐसे ही व्यक्ति हैं, जो तिवारीपट्टी स्थिति अपने गांव से न केवल नाता जोड़े हैं बल्कि पिता की याद में गांव में आज भी नियमित जाते हैं और पिता की याद में बेहतरीन सामाजिक उपक्रम लेते हैं. धन कमाना कोई बड़ी बात नहीं है. लेकिन धन कमाने के बाद भी आपका पैर जमीन पर रहना यह बड़ी बात है. विदर्भ स्वाभिमान परिवार गांव प्रेमी, अपनी मिट्टी के प्रेमी के साथ ही अपनी सम्पन्नता में गांव को सहभागी करने वाले देवराज तिवारी का अभिनंदन करता है. पिछले कई वर्षों से व्यवसाय के क्षेत्र में राज डेअरी के माध्यम से कामयाबी की बुलंदी हासिल करने वाले देवराज तिवारी का मानना है कि बाप-दादा की सम्पत्ति में अगर हम वृद्धि नहीं कर सकते हैं तो उसे बेचने का अधिकार तो हमें नहीं होना चाहिए.

गांव में इस वर्ष भी जाने के बाद अखंड रामायण पाठ के माध्यम से जहां गांव के बच्चों से लेकर युवाओं में संस्कार डालने का काम किया, वहीं दूसरी ओर अपने स्वर्गीय पिता की याद में 200 के करीब गरीब तथा जरूरतमंदों को कंबल का वितरण किया. धन सभी कमाते हैं लेकिन कहते हैं कि समाज के लिए अपनों के लिए तथा गांव के लिए दिल में संवेदना रखने वाले लोगों की संख्या में तेजी से कमी आ रही है, ऐसे में यह खुशी की बात है कि उनके इस नेक काम से पूरा गांव आज गद्गद है. जिस समय वह गांव से आए थे, गरीबी थी, परेशानी थी लेकिन दिन-रात मेहनत के साथ ही ईमानदारी से काम करते हुए आज शहर ही नहीं तो जिले में इस क्षेत्र में नाम कमाया है. गांव प्रेमी व्यवसायी वह पहले से ही थे. जो व्यापारिक सफलता के साथ-साथ अपने गांव, अपनी मिट्टी और अपनी जड़ों से गहराई से जुड़े हैं.उनका उद्देश्य केवल धन अर्जित करना नहीं, बल्कि अपने गांव का विकास करना, वहां के लोगों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना और ग्रामीण समाज में आत्मनिर्भरता लाना रहा है. गांववाले भी उन्हें गांव का हीरा इसीलिए कहते हैं. वह अपने व्यवसाय के माध्यम से रोजगार के अवसर पैदा करता है, युवाओं को प्रेरित करता है कि वे गांव में रहकर भी सफलता पा सकते हैं. उसके मन में यह भाव रहता है किअगर शहर में चमक है, तो गांव में जीवन की सच्ची सुगंध है. आज भी गांव से प्रेम और लगाव में रहने वाले देवराज तिवारी सम्पन्नता में भी अपने गांव को नहीं भूलना निश्चित ही गर्व की बात है.गांव प्रेमी व्यवसायी अक्सर गांव में स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र के साथ जरूरतमंदों की जरूरत पूरा करने का प्रयास करता है. जो उन्होंने कंबल वितरण के माध्यम से किया है. , गांव प्रेमी व्यवसायी केवल व्यापारी नहीं, बल्कि समाज सुधारक और विकास का अग्रदूत होता है,देवराज तिवारीजी का दिल से अभिनंदन.

भाजपा-आयोग को बताया फिर वोट चोर

पेज 1 से जारी- करार दिया, जिसका औद्योगीकरण' हो चुका है. बिहार चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले, उन्होंने दावा किया कि इसी व्यवस्था का इस्तेमाल अब बिहार में भी किया जाएगा. उन्होंने मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र का भी जिक्र किया.राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में कहा, 'एक देशभक्त भारतीय के रूप में यह मेरा कर्तव्य है और विपक्ष के नेता के रूप में मेरी भूमिका आपको हकीकत की उस दुनिया से अवगत कराना है जिसमें आप रह रहे हैं. विपक्ष कैसे आगे बढ़ता है, हम उस पर समन्वय करेंगे और मिलकर काम करेंगे.' इससे पहले राहुल गांधी ने युवा पीढ़ी का आह्वान किया. उन्होंने कहा, 'मैं जेन जी से कहना चाहता हूं कि देखिये कि कैसे आपके भविष्य की चोरी की जा रही है.

राहुल के आरोप निराधार-राहुल गांधी के आरोपों के कुछ ही घंटे बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इन सभी दावों को निराधार और बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया. आयोग ने कांग्रेस से ही तीखे सवाल पूछ लिए. आयोग के मुताबिक निराधार आरोप लगाना राहुल गांधी की आदत बन गई है. चुनाव आयोग द्वारा सभी प्रक्रियाओं का चुनाव के दौरान कड़ाई से पालन किया जाता है. यही कारण है कि राहुल गांधी द्वारा वोट चोरी के आरोप में किसी तरह का दम नहीं है. अधिकारियों ने कहा कि अगर मतदाता सूची में इतनी बड़ी गड़बड़ी थी, तो कांग्रेस के अपने बूथ लेवल एजेंटों ने सूची पुनरीक्षण के दौरान कोई आपत्ति या दावा क्यों नहीं दायर किया?

भारत में सोने को लग रहा चूना

पेज 1 से जारी- बावजूद बढ़ती कीमतों ने कैसे आर्थिक दबाव बनाया है.फाइनेंशियल एक्सप्रेस में छपी खबर के मुताबिक, रिपोर्ट में बताया गया है कि जियोपॉलिटिकल टेंशन और कमजोर डॉलर की वजह से साल 2025 में सोने की कीमतों में सालाना आधार पर 50 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है. अक्टूबर में कुछ दिनों के लिए कीमतें 4000 डॉलर प्रति औंस से नीचे गई थी. छ्च्न 4,000 प्रति औंस से नीचे गई थीं, लेकिन नवंबर में फिर से इसी स्तर के ऊपर पहुंच गई.रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत में सोने की घरेलू सप्?लाई कुल सोने की जरूरत का बहुत छोटा हिस्सा ही पूरा कर पाती है. वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुमान के अनुसार, 2024 में भारत की कुल सोने की सप्लाई में आयात का हिस्सा लगभग 86 फीसदी रहेगा.भारत सोने के प्रति अपने गहरे सांस्कृतिक लगाव, निवेश की चाहत और महंगाई से बचने और सुरक्षित निवेश जैसे आर्थिक कारणों से सोने के सबसे बड़े बाजारों में से एक है.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

संवेदनशील जनप्रतिनिधि हैं प्रतापदादा अड़सड़

विधायक प्रताप अड़सड़ ने रचा है विकास का इतिहास,लोग जानते हैं कौन सही,कौन गलत

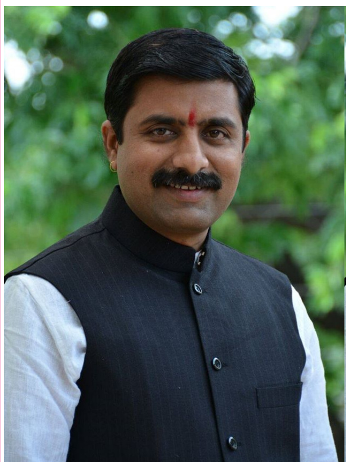

विकास को समर्पित विधायक : प्रताप अडसड

विदर्भ स्वाभिमान,5 नवंबर

धामणगांव रेलवे- क्षेत्र के विधायक और अपार लोकप्रिय नेता के साथ ही पिता तथा भाजपा के वरिष्ठ नेता विदर्भ संवैधानिक बोर्ड के अध्यक्ष रह चुके पूर्व विधायक अरूणभाऊ अड़सड़ की तरह ही क्षेत्र के सर्वांगीण विकास का विजन रखते हैं.युवाओं के साथ ही किसानों तथा समाज के सभी वर्गों को न्याय दिलाने के लिए जहां प्रतापदादा अडसड प्रयासरत रहते हैं, वहीं परिवार के सदस्य के रूप में क्षेत्रवासी भी उन्हें अपना दु:ख दर्द बताते हैं और वे भी इसका निराकरण करते हैं. वह ऐसे जनप्रतिनिधि हैं जिनकी राजनीति का मूल मंत्र सिर्फ एक है विकास और जनता का विश्वास. उनकी कार्यशैली में दिखता है कि जनसेवा उनके लिए कोई पद की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि जीवन का ध्येय है. गांवों की बुनियादी सुविधाएँ हों, किसानों की समस्याएँ हों या युवाओं के अवसर हर मुद्दे पर उनकी सोच समाधान आधारित और दूरदृष्टि से प्रेरित रहती है-सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं का वे लगातार विस्तार और उन्नयन करते रहे हैं. विकास योजनाओं की निगरानी में उनकी तत्परता और पारदर्शिता उन्हें जनता के बीच एक विश्वसनीय नेता बनाती है. अभी तक क्षे त्रमें अभूतपूर्व विकास की गंगा उन्होंने बहाई है. वे कहते हैं कि जनता ने जिस अपार विश्वास के साथ उन्हें दुबारा मौका दिया है, वह विश्वास वे लगातार बढ़ाने और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के साथ ही युवाओं की समस्या,किसानों की समस्या के निराकरण के लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस के साथ ही सभी मंत्रियों से मिलकर क्षेत्र के विकासार्थ अधिकाधिक निधि प्राप्त करने तथा विकास को गति देने का प्रयास करते हैं. उनके प्रयासों से ही विधानसभा क्षेत्रमें संतुलित और तेजी से विकास काम हो रहा है. दलीय राजनीति से ऊपर उठकर संतुलित विकास की दिशा में उनका प्रयास है और लोगों का अपार विश्वास उन्होंने हासिल किया है.

समान भाव है खूबी-प्रतापदादा अडसड की खासियत यह है कि वे हर वर्ग की सुनते हैं और सबके लिए समान भाव से कार्य करते हैं, क्षेत्र में उद्योग, रोजगार और कृषि से जुड़े नवाचार को बढ़ावा देकर उन्होंने विकास की नई दिशा स्थापित की है,सादगी, समर्पण और सतत विकास यही प्रतापदादा अडसड की पहचान है, जनता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक आदर्श एवं विकासप्रिय विधायक के रूप में प्रतिष्ठित करती है.

उनके मुताबिक जनता द्वारा आगामी नगर परिषद चुनाव में भी भाजपा को ही भारी मतों से विजयी बनाने का उन्हें विश्वास है. बिना किसी तरह के भेदभाव के वह सभी क्षेत्रों में विकास को महत्व देते हैं. उनका कहना है कि भाजपा की ताकत तेजी से बढ़ने के कारण कांग्रेस सहित अन्य दल बौखला गए हैं. कोई चुनाव आयोग पर सवाल उठाता है तो कोई तुच्छ आरोप लगाते हुए भाजपा को बदनाम करने का प्रयास करता है. लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राज्य के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़णवीस, जिला पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के मार्गदर्शन में जिस तरह से विकास काम और जनता की सुरक्षा के साथ ही दुश्मनों को मुंह तोड़ जवाब देकर भारत विश्वस्तर पर अपनी मजबूती के लिए सम्मानजनक जगह बना रहा है, लोगों के मुताबिक उसी को ध्यान में रखते हुए विपक्ष को लोगों द्वारा लगातार ठुकराया जा रहा है. दोनों ही नेताओं द्वारा जिस तरह से राष्ट्र तथा राज्यके विकास के लिए कार्य किया जा रहा है, उसके मद्देनजर सभी का विश्वास भाजपा गठबंधन लगातार जीत रहा है. विधानसभा क्षेत्र से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर कार्य हो रहा है, उसके चलते आगामी सभी चुनावों में भी भाजपा की शानदार जीत होने का विश्वास जताया. विकास को अपनी सबसे बड़ी ताकत मानने वाले अड़सड़ ने अपने कार्यकाल के दौरान व्यापक संपर्क, सभी से व्यक्तिगत संबंध रखने के साथ ही सभी को साथ लेकर चलने और विकास करने का प्रयास किया है. यही कारण है कि लोगों का उन्हें सहयोग मिल रहा है.हिंदुत्व और राष्ट्रवाद को सभी महत्व दे रहे हैं. उन्होंने कहा कि उन्होंने करोड़ों रूपए के विकास काम किए हैं. लोगों के विश्वास को भाजपा बढ़ाने का काम करती है, यही कारण है कि हर चुनाव में मतदाताओं का रूझान भाजपा की तरफ ही है. नगर परिषद तथा नगर पंचायत चुनाव के बाद आगामी महानगर पालिका चुनाव में भी भाजपा को ही लोगों का वोट मिलने तथा भाजपा विकास के नए कीर्तिमान रचने का विश्वास प्रतापदादा अडसड ने जताया.

विदर्भ स्वाभिमान
RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881
संपादक : सुभाषचंद्र दुबे
प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें
विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती
मो. 9423426199/ 8855019189

राजपुरोहित
फोटो स्टुडीओ
वेडिंग फोटोग्राफी
इवेंट फोटोग्राफी
इन डोअर, आऊट डोअर फोटोग्राफी
HD व्हिडीओ शुटींग
इंस्टाग्राम रील
कॉफी मग प्रिंटींग
ड्रोन शुट
फोटो अलबम
मोबाईल प्रिंटींग

नया पत्ता : शितला माता मंदीर के सामने
शिलांगण रोड, अमरावती
संपर्क : 9028123251

गुस्सा किसी को भी ताप के उत्पन्न होने का कारण बनता

गतांक से जारी-बुध्दि से चित्त में अहंकार रहित मानस में ऋत्विकगण प्रवण वर्ण को उपस्थंभ के रूप में प्रणदशेंद्रियों की पंक्ति समूह के रूप में रहने से भासुर अनहत नाद विहित मंत्र बनने से मनोविकारों को बोधाग्नि में जला कर ज्ञानामृत को सोम पान के रूप में राजयोग प्राप्त करता है. उस सोम पान को पीकर मोक्ष कांता समेत होकर वेदांत सूत्र कहे जाने वाले कर्ण कुंडलों के दीपित होते त्रिकुट मार्ग से शांति को प्रमुख मित्र के रूप में राजयोगी उपासना करता है.प्रकटित आचारों की गाड़ी की सलाखे बनने से जप-तप सूचक्र बनने से प्राण पंचक गाड़ी बन जाने से उसकी देह निर्मित होती है. कर्ण और नेत्र वाहन बनने से विवेक सारथी बननने से निस्फुहत्व ही त्याग ध्वज बनने से बने रथ पर राजयोगी चढ़ कर यात्रा करके सर्वस्व को प्राप्त करके गंगा यमुना के रुकने वाले चारों मार्गों के बीच में अवभृथ स्नान करके इस अवनि में आत्मसोमयाजी के रूप में प्रशंसित होता है. इतना महान योग पुरुष उच्च या नीच नहीं होता है. संतोष के साथ किसी भी कांता के साथ रहता है. अपने में परमात्मा को देखता रहता है. विभ्रांतियाँ होने पर निंदा होने पर सिर्फ हँसता ही है, यह शांत राजयोगी बदले में निंदा नहीं करता है. घन सद्गुरु के रूप में दूसरों से प्रशंसित होता है.

तामस शिष्य का स्वभाव ऐसे महान गुरु अपने को प्राप्त योग की शिक्षा सभी शिष्यों को नहीं देना चाहिए. शिष्य की परीक्षा करके शिक्षा देने योग्य पाने

पर ही उसे शिक्षित करना चाहिए. शिक्षा को पाने में असमर्थ तामसी शिष्य को शिक्षित नहीं करना चाहिए. ऐसे शिष्य को शिक्षा देने पर भी उसे वह पसंद नहीं करेगा. क्योंकि ऐसा शिष्य वेश भाषा पर गर्व ही करेगा. शिक्षा के मूल तत्व को पकड़ नहीं पायेगा. आरंभ में ही शिष्य के दुर्गुणों का पता लगाकर डांटते-पीटते उसे सुगुणों को सिखाना चाहिए. ऐसा करने के लिए शिष्य के तैयार नहीं होने पर भी गुरू को शांत रहना चाहिए. ऐसा न करने से शिष्य केदूर्गुणों की परीक्षा लेकर उसे सजा दिलाने के क्रम में उसके दुर्गुण गुरु के मानस में रह कर गुरु को गुस्सा करने के लिए विवश करेगा. गुस्सा किसी को भी ताप के उत्पन्न होने का कारण बनता है.

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

इसलिए तामसी शिष्यों को स्वीकार नहीं करना चाहिए. स्वीकार करने से आतुरता बढ़ेगी. शांति भंग हो जायेगी.दुर्गुणों को त्याग नहीं करनेवाला अरिषड्वर्ग को संग्रहित करनेवाला बड़ा दुष्ट होगा. गुरु के उपदेश से उसमें वैराग्य की भावना क्या उत्पन्न हो सकती है.सच्चिश्य का स्वभाव और सच्चिश्य कौन है प्रश्न करने पर साधन चतुष्ट्य संपन्न कपटरहित जार चोर क्रूर गुणों को त्याग करके परम शांति चाहनेवाला सच्चिश्य है. ऐसा ही शिष्य मोक्ष पर आसक्त होकर गुरु की सेवा करते हुए उसके अनुग्रह का पात्र होता है. ऐसा सच्चिश्य देहाभिमान को छोड़कर प्रणवपूर्वक वेंकटेश्वर का नाम स्मरण करता है. फिर अपने निज बल से षुषुम्ना व्दार को तोड़कर योग मार्ग से परमपद को प्राप्त करता है.ऐसे योगाभ्यास करने में असमर्थ होने पर भी अत्यंत गुरुभक्ति रखते हुए इससे गुरु की कृपा से भक्ति ज्ञान वैराग्य का अभ्यास करते उपशांति को प्राप्त करके ज्ञानी होने का गर्व न करके विनयशील होना चाहिए. क्योंकि ज्ञानाहंकार ही मनुष्य को दुष्ट बनाता है.इसलिए बुध्दिवान ज्ञानाहंकार को त्याग करके उपशांति को पाना अच्छा है. उपशांतिहीन मनुष्य के जप-तप योग -विधियाँ पृथ्वी पर कपट बनकर बुरी मानी जाती हैं. इसलिए है कमलाक्षी ! उपशांति ही परम धर्म है.ऐसे ज्ञान भक्ति वैराग्य योगों के लिए सदा अनेक विघ्न पैदा होते रहते हैं. ऐसे विघ्नों से मुक्त होने का एक उपाय है. वह ऐसा है कि वेंकटाद्रि पर सनकसनंदन तीर्थ अति गोप्य रूप में स्थित है. इसके बारे में नरों को मालूम नहीं है. उसके समीप पाप विनाशन तीर्थ सिध्दस्थल के रूप में स्थित है. मार्ग शीर्ष शुध्द व्दादशी दिन को अरूणोदय के समय स्वामी पुष्करिणी में स्नान करना चाहिए. तदुपरांत त्रयोदशी के दिन से सनक सनंदन तीर्थ में डुबकी लगाते पुन: वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन करना चाहिए. दर्शन के साथ-साथ श्रीमदष्टाक्षरी मंत्र का जप करना चाहिए. साथ ही योगाभ्यास करनेवालों को सारे विघ्न नष्ट हो जाते हैं. योग सिध्दियाँ भी प्राप्त होंगी. पापनाशन तीर्थ के समीप ही अतिगुप्त कायरसायन नामक पुण्यतीर्थ है. उस तीर्थ के जल को पीने से देह दिव्य देह बनती है.परिक्षा करने के लिए एक पीले पत्ते को उसमें डालने से वह श्यामल वर्ण में बदल जायेगा. इसलिए उस तीर्थ के पान से देह सिध्दि प्राप्त होती है. उस रूप में स्वस्थ्य और बलवान को श्री वेंकटेश्वर की सेवा करने का पुरुषार्थ प्राप्त होता है. ऐसी सेवा न करने से वह स्वामी द्रोही बन जाता है. इसलिए सदा श्री वेंकटेश्वर स्वामी की सेवा करते रहना उचित है. ऐसा वराह स्वामी ने भूदेवी से कहा और व्यास मुनि ने इस क्रम को मुझे बताकर तदुपदेश क्रम की आज्ञा दी है.उस वृत्तांत को मैंने आपको सुनाया. सूत ने शौनकादि मुनियों से कहा . तब शौमकादि मुनियों ने सूत को देखकर इस रूप में कहा.

जय गोविंदा,जय गोविंदा

शेष अगले अंक में

आदर्श,परमार्थी व्यक्तित्व थे स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल

2 नवंबर को पुण्यतिथि पर भावपूर्ण आदरांजलि, शून्य से बनाया था संसार, सिखाई नैतिकता

ज़ीवन में पिताजी ने सदैव आदर्श आचार-विचार और परमार्थ का संस्कार दिया, वही घुंडियाल परिवार की सबसे बड़ी ताकत है. वे कहते थे कि अच्छा करने वाले को तकलीफ हो सकती है लेकिन वह कभी हारता नहीं है, जीतकर ही दम लेता है. जीवन है तो मृत्यु निश्चित है. उन्हें तीन साल हमसे बिछड़े बीते हैं लेकिन उनका आदर्श सदैव याद रहा है. भगवान उनकी तृतीय पुण्यतिथि पर भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें. स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल ने शून्य से संसार तैयार किया, इतना ही नहीं तो सिंधी सम्मान में जहां सम्माननीय स्थान पैदा किया, वहीं बच्चों को भी आदर्श आचार-विचार,संस्कारों वाला सफलतम इन्सान बनाया है. उनकी 2 नवंबर को चौथी पुण्यतिथि पर विदर्भ स्वाभिमान परिवार की विनम्र आदरांजलि. भगवान उनकी दिव्य आत्मा को शांति प्रदान करें, प्रभु चरणों में यही कामना.

संघर्ष से जूझते हुए घुंडियाल परिवार को न केवल जिले बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यवसाय, सेवा तथा सामाजिक कामों में चमकाने का जहां उन्हें श्रेय जाता है, वहीं हर भूमिका में वे प्रेरणादायी और आदर्श साबित होते थे. दो साल के बाद भी उनकी यादें, उनके आदर्श विचारों पर ही घुंडियाल परिवार अमल करते हुए आगे बढ़ रहा है. जीवन में नैतिकता, मानव सेवा तथा सकारात्मक सोच का अत्याधिक महत्व है. यह यद्यपि कठिन लगते हैं लेकिन इनसे प्राप्त कामयाबी दूर तक साथ देती है. इसलिए सदैव नैतिकता का पालन करने का प्रयास करना चाहिए. इससे आत्मिक आनंद मिलता है. यही सीख सदैव बाबूजी स्व.गुरूमुखदास घुंडियाल ने दी.शहर के सुख्यात व्यवसायी, आदर्श समाजसेवी, आदर्श पिता के साथ ही समाज के लिए उनके समर्पण का उदाहरण दिया जा सकता है. आज वे भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श संस्कार पूरे घुंडियाल परिवार को प्रेरणा देने का काम करेंगे.

बाबूजी को प्रेरणादाई व्यक्तित्व कहा जा सकता है. आज घुंडियाल रेडियोडायग्नोस्टिक सेंटर अगर विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस है, मरीजों के बेहतरीन स्वास्थ्य जांच में अगर महत्वपूर्ण भूमिका निभा पा रहा है,विश्वस्तर की जांच मशीनों

को लाकर मरीजों की सेवा कर रहा है तो इसका पूरा श्रेय बाबूजी के प्रोत्साहन को ही जाता है. परिवार के साथ ही समाज के भी किसी पीड़ित की मदद करने और मार्गदर्शन करने के कारण समाज में भी अपार लोकप्रियता उन्होने हासिल की थी. व्यवसाय में बुलंदी के साथ ही दिल के राजा व्यक्ति थे. बाबूजी सदैव कहते थे कि हमारा कर्म ही हमें सम्मान दिलाता है. बुरा कर्म करने के बाद उसका परिणाम भुगतना पड़ता है. उनकी यही सीख आज घुंडियाल परिवार के लिए आदर्श बनी है.स्व. गुरूमुखदास घुंडियाल ने जीवन में नेक कामों में स्वयं को जहां झोंके रखा, वहीं यही संस्कार अपने बच्चों डॉ. पंकज घुंडियाल, बेटे नीरज घुंडियाल, बेटी श्वेता को भी दिया.डॉ.पंकज घुंडियाल का सेवाभावी जीवन पूरा शहर जानता हूं. यह आज भी पिता के उन्हीं आदर्शों पर चलते हुए समाज में अपना स्थान बना रहे हैं. रेडियोडायग्नोस्टिक विशेषज्ञ डॉ. पंकज घुंडियाल तो राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हैं, वहीं बेटा नीरज व्यवसाय के क्षेत्र में पिता के नाम को रोशन कर रहा है. बेटी भी उच्च प्रतिष्ठा के साथ माता-पिता का सम्मान बढ़ा रही है.उन्हें परिवार से बिछुड़े दो साल होने के बाद भी हर क्षण,हर पल परिवार को पिता की याद आती है. पिता का जिक्र निकलने पर उनकी आंखें नम हो जाती हैं.

डॉ.पंकज घुंडियाल,अमरावती.

चतुर्थ पुण्यस्मरण पर आदरांजलि

"पापा, आपकी पुण्यतिथि पर, आपकी ममता और संजीवनी स्मृतियाँ हमारे दिलों में हमेशा बसी रहेंगी।"

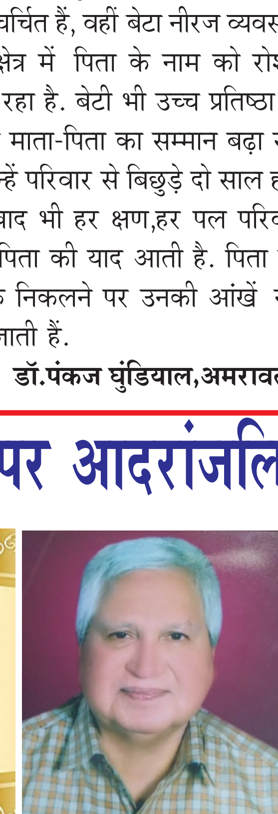

आपको हमसे बिछड़े भले चार साल पूरे हो गए हैं लेकिन कोई भी ऐसा पल नहीं है, जब आपको याद नहीं किए हैं.चतुर्थ पुण्यस्मरण पर भावपूर्ण श्रद्धांजली.

श्रद्धानत- घुंडियाल परिवार,अमरावती.

संघर्ष ही होता है सफलता का पर्याय

युवा व्यवसायी,समाजसेवी अभिषेक पंजापी का मत,अच्छा करने वाले का बुरा नहीं होता है

विदर्भ स्वाभिमान, 5 नवंबर

अमरावती- संयुक्त परिवार में प्रेम,एकता ही व्यक्ति के प्रगति का माध्यम बनती है. जीवन में जो लोग सभी की भावनाओं का ख्याल करते हैं, वह दुःखी हो सकते हैं लेकिन परमात्मा उन्हें कभी परेशान नहीं होने देता है. जीवन में सफलता की सीढ़ी संघर्ष से ही गुजरती है. संघर्ष से डरने वाले व्यक्ति जीवन में कभी भी सफल नहीं हो सकता है. इस आशय का मत शिव स्पोर्टस के संचालक, युवा समाजसेवी तथा व्यवसायी अभिषेक पंजापी ने किया. गुरूनानक देव जयंती पर सभी को शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा कि जीवन जो लोग परमार्थ में जीते हैं, अपने साथ ही दूसरे का विचार करते हैं, वह कभी परेशान नहीं होते हैं.

स्वयं भी सदा अच्छे काम करने तथा साथदेने वाले अभिषेक का कहना है जीवन में जितना संभव हो, उतना नेक काम करने का प्रयास सभी को करना चाहिए. इससे मिलने वाली खुशी का हम अंदाजा नहीं लगा सकते हैं. इस माता-पिता तथा संयुक्त परिवार ही खुशियों का आधार होता है. जहां यह स्थिति रहती है, वहां सदैव खुशियां, तरक्की ही रहती है.

क़हावत है कि भगवान भी उसी का साथ देते हैं, जो खुद की मदद खुद करने में विश्वास रखता है. जीवन में भाग्य के भरोसे बैठने वाले जीवन में जहां के वहीं रह जाते हैं लेकिन जो लोग प्रभु पर भरोसा करते हैं, माता-पिता का आशिर्वाद प्राप्त कर उनकी सेवा करते हैं, वे जीवन में कभी विफल ही नहीं हो सकते है. इस तरह की आत्मविश्वासपूर्ण सोच रखने वाले युवक

के रूप में शिव स्पोर्टस के संचालक और सिंधी समाज के तेजी से उभरते समाजसेवी, व्यवसायी के साथ ही मानवता की सेवा में भी सदैव तत्पर रहने वाले अभिषेक पंजापी है. माता-पिता की सेवा का पाठ तो कोई उनसे सीखे. जिस तरह से इस सौभाग्यशाली बेटे ने भाई रवि पंजापी और पूरे पंजापी परिवार के साथ माता-पिता की सेवा की, उसका आदर्श युवाओं को लेने की जरूरत है.

बचपन में माता-पिता के साथ मिलकर संघर्षों को झेलने के बाद माता-पिता के संघर्षों का साथी बनने वाले अभिषेक पंजापी जितने सफल व्यवसायी हैं, उससे भी बेहतरीन मित्र, भाई, पति तथा पुत्र हैं. संवेदनशीलता इतनी है कि किसी के दुख को सुन नहीं सकते हैं. बातचीत में वह बताते हैं कि पिता ने काफी संघर्ष किया था. आज अगर पंजापी परिवार पूरे समाज में सम्मानित परिवार के रूप में गिना जाता है तो पिता की तपस्य, उनकी मेहनत, उनकी उदार सोच और सदैव सेवाभाव की सीख को ही जाता है. माता जहां धार्मिकता से ओतप्रोत थी, वहीं पिता सेवाभावना और मानवता की सीख दोनों भाईयों को देते थे. पंजापी परिवार आज व्यवसाय के क्षेत्र में न केवल अमरावती शहर बल्कि समूचे विदर्भ में गिना जाता है.

सादगीपसंद,मददगार तथा गांव विकास को महत्व देते हैं उमेश ढोणे

जन्मदिन पर विदर्भ स्वाभिमान की शुभकामनाएं

आमतौर पर विधायक या सांसद को भरपूर निजी सचिव रहते हैं लेकिन कुछ ही ऐसे होते हैं, जिनकी समझदारी, सहयोग की भावना से संबंधित जनप्रतिनिधि का महत्व जनता की नजरों में बढ़ता है. ऐसे ही लोगों में उमेश ढोणे का नाम लिया जा सकता है. पिछले पंद्रह वर्षों से विधायक रवि राणा तथा पांच साल तक सांसद सौ. नवनीत राणा के शासकीय निजी सचिव के रूप में बेहतरीन काम करने वाले उमेश ढोणे स्वभाव से विनम्र रहने के कारण सभी के चहेते हैं. पार्टी का मंच हो अथवा सरकारी पत्र व्यवहार उन पर राणा दम्पति सदैव भरोसा करते हैं. इसे वे अपने जीवन की सबसे बड़ी पूंजी मानते हैं. उनकी अनुपस्थिति में भी जनता का काम नहीं रूकने की योग्यता ऐसे निजी सचिवों में रहती है. अमरावती जिले की लोकप्रिय पूर्व सांसद सौ. नवनीत राणा और बडनेरा के लोकप्रिय विधायक के रूप में लोगों के दिलों पर राज करने वाले विधायक रवि राणा के कार्यकाल के इतना ही कार्यकाल उनके सरकारी निजी सचिव के रूप में उमेश ढोणे का हुआ है. दिखने में गंभीर लेकिन विभिन्न विभागों से सांसद तथा विधायक का जहां वे समन्वय करवाने में पीछे नहीं रहते हैं, वहीं उनकी अनुपस्थिति में भी किसी काम को रूकने नहीं देते हैं. उमेश ढोणे की इसी खूबी के चलते जहां राणा दम्पति सदैव खुश रहते हैं, वहीं जनता के

कामों के मामले में भी उमेश ढोणे की तत्परता काबिले तारीफ है. उनकी विनम्रता इतनी है कि कभी भी किसी के साथ ऊंची आवाज में बात नहीं करते हैं. सामने वाले की बात को ध्यान से सुनने के बाद उसकी समस्या का निराकरण करने अगर किसी सरकारी विभाग से जुड़ा मामला है तो वहां फोन कर मदद करने के स्वभाव के कारण उनके चाहने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है. गंभीरता के साथ काम करने की कला तो कोई उनसे सीखे. रेलवे सहित अन्य समस्याओं में लोगों की मदद के लिए वे तत्पर रहते हैं. सादगी, विनम्रता, किसी भी विषय पर जानकारी रखने के बाद बोलने के साथ ही सभी से विनम्रता वाला व्यवहार ही उन्हें भीड़ में भी अलग स्थान प्रदान करता है. कार्यालय ही नहीं बल्कि कोळी महादेव समाज पर हो रहे अन्याय को दूर करने के लिए उनके द्वारा विगत कई वर्षों से किया जा रहा संघर्ष शायद ही कोई भूले. उन्हें उज्वल, स्वस्थ जीवन की हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

मानवधर्म,माता-पिता सेवा को बढ़ावा देने वाला लोकप्रिय अखबार

यहां एजेंसी देना है

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान की धारणी, चिखलदरा, परतवाड़ा, दर्यापुर, अंजनगांव सुर्जी में एजेंसी देना है. इसके साथ ही यहां पर मेहनती युवकों की जरूरत है, जो विज्ञापन लाने और वसूली करने में सक्षम हैं. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें. समाचार पत्र में केवल मेहनती युवक-युवती ही संपर्क करें, जिन्हें अपनी मेहनत के भरोसे कामयाबी प्राप्त करने की चाहत हो. विज्ञापन प्रतिनिधि बनकर बेहतरीन कमाई का मौका भी है. दिलचस्पी रखने तथा मेहनत के साथ ही स्वयं का वाहन रखने वाले ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199/8855019189

www.vidarbhswabhiman.com

खुशियों के हर प्रकार के रंग

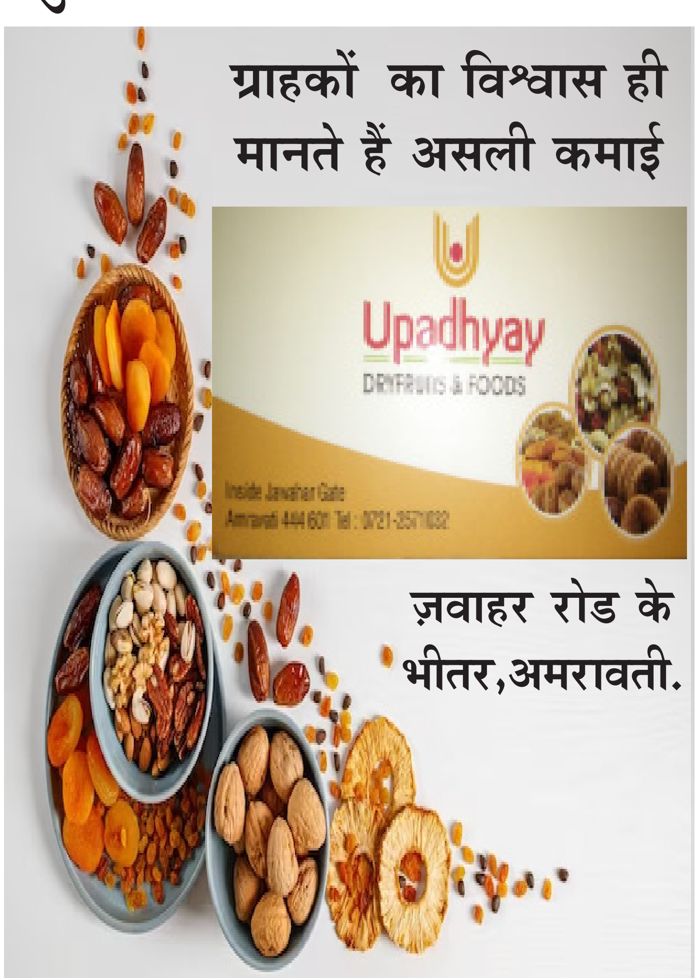

सुंदर घर बेचना है

अकोली रोड के पुरूषोत्तम नगर में बेहतरीन लोकेशन स्थित स्वतंत्र, सामने हनुमान, शिव मंदिर तथा मनपा बगीचा के सामने स्थित घर बेचना है. निर्माण 550 फुट. नीचे दो रूम, किचन तथा सामने जगह. ऊपर एक रूम और स्वतंत्र टायलेट व शौचालय. बेहतरीन लोकेशन.लेने के इच्छुक ही सीधे संपर्क करें.

कुल प्लॉट 750 स्केअर फुट, साईज 40 बाय 25

9423426199
8855019189

सभी के चहेते,सेवाभावी भाजपा नेता हैं प्रवीण पोटे पाटील

जिले में भाजपा के दबंग नेता के साथ ही लाखों छात्रों को बेहतरीन शिक्षा के माध्यम से जीवन संवारने वाले प्रवीण पोटे पाटील अष्टपैलू नेता हैं. वे जितने सम्पन्न हैं, उतने ही दिलदार नेता हैं. यही कारण है चहेते सेवाभावी नेता के रूप में उनकी ख्याति है. प्रवीण पोटे पाटिल जिले के ऐसे नेता हैं, जो जनहित के मामले में सरकारी निधि का भी इंतजार नहीं करते हुए व्यक्तिगत रूप से मदद करने के लिए तैयार रहते हैं. बोले तैसा चाले का जहां वे अनुकरण करते हैं, वहीं पालकमंत्री रहते समय भी बेहतरीन काम किया है. उनके कामों को ध्यान में रखते हुए पार्टी में जहां वे कद्दावर नेता के रूप में उभरे हैं, वहीं कार्यकर्ताओं में अपार लोकप्रियता प्राप्त की है. जनसेवी कामों में सदैव अग्रणी रहने के साथ ही जरूरतमंदों , गरीबों की मदद की बात हो, गरीब मेधावी छात्र की मदद की बात हो, वे सदैव अग्रणी रहते हैं. उनके कामों के कारण ही उन्हों ने लाखों मित्र परिवार बनाए हैं.

विधायक के साथ ही भाजपा शहर अध्यक्ष के रूप में पार्टी की मजबूती के लिए जहां उन्होंने स्वयं को झोंक दिया है, वहीं दूसरी ओर जनता के सुख-दुख के साथी नेता के रूप में भी अपार सम्मान प्राप्त किया है. पूर्व विधायक प्रवीण पोटे पाटिल बेबाक, स्पष्ट विचारों के साथ ही यारों के लिए दिलदार, गरीबों , जरूरतमंदों के लिए उदार तथा जनता के लिए सदा उपलब्ध रहते हैं.वे बोलने में कम और करने में अधिक विश्वास रखते हैं.उनके जन्मदिन पर लाखों ने

उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी. लोगों के प्यार और विश्वास को वे अपनी सबसे बड़ी पूंजी बताते हैं. साथ ही कहते हैं कि लोगों का प्यार और विश्वास ही उन्हें सदैव कुछ करने की प्रेरणा देता है. करोड़ों रूपए का विकासकाम करवाने वाले लोकप्रिय नेता के रूप में भाजपा विधायक पूर्व मंत्री प्रवीण पोटे पाटिल का उल्लेख किया जाता है. विधायक रहते समय उन्होंने जिले के विकास के लिए जोरदार काम किया.जनसेवा में सरकारी निधि के अलावा व्यक्तिगत तौर पर मदद करने वाले नेता है. वे ऐसे नेता हैं, जिन्होंने स्वयं के खर्च से जिला अस्पताल में मरीजों के लिए कूलर लगवाया. वे ऐसे नेता हैं, जिन्होंने कोरोना महामारी के दौरान जनता की सेवा में तिजोरी खोल दी थी. प्रशासन के साथ कंधे से कंधा मिलाकर प्रयास करने के साथ ही जरूरतमंदों की मदद की थी.आज जहां नेताओं के स्वार्थ को लेकर ही चर्चा होती है, विकास कामों में कमीशनखोरी की चर्चाएं होती हैं, ऐसे में प्रवीण पोटे पाटिल निर्विवाद दबंग नेता रहे हैं. उनके मुताबिक जनता ने उन्हें मंत्री पद तक पहुंचाया, ऐसे में उसे मुसीबत में वे भला कैसे देख सकते हैं.जनहित में बिना किसी से दबे वे प्रयासरत रहते हैं.

माता-पिता के भक्त प्रवीण पोटे पाटिल संत गजानन गजानन महाराज के अनन्य भक्त हैं. जिले में प्रापर्टी के क्षेत्र में आसमानी बुलंदी कायम करते हुए प्रगति की पायदान पर लगातार आगे बढते रहे हैं. उनका कहना है कि जो भी जिम्मेदारी परमात्मा दे, उसका सही तरीके से निर्वहन करना चाहिए.पुत्र श्रेयसदादा पाटील भी पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए पी.आर.पोटे पाटील शिक्षा संस्था को कामयाबी की बुलंदी दिला रहे हैं. प्रवीण पोटे पाटील को विदर्भ स्वाभिमान परिवार की हार्दिक शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क, अमरावती.

गुरूवार 06 से 12 नवंबर 2025

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थिति: इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्य: शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवार: रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाह: बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थिति: यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यार: घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाह: खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थिति: धन आगमन के योग हैं. कुछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्तु जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यार: पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाह: किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थिति: पुराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्य: मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यार: पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाह: प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थिति: आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्य: काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यार: घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाह: अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थिति: भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्य: स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में मधुरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजुर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाह: सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयुक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थिति: ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंतु जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्य: बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पुराने झगड़े सुलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाह: वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सुनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थिति: मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्य: मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाह: विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे रुख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थिति: रुके हुए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्य: हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यार: साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाह: अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थिति: करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्य: नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यार: पुराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाह: जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण रखना फ़ायदेमंद रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थिति: पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यार: पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाह: कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थिति: नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्य: स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यार: परिवार और दोस्त-रिश्तों में सकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाह: दिल की सुनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

जय गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविदा

सर्वर डाऊन से परेशान हुए,लगी कतार

विदर्भ स्वाभिमान, 5 नवंबर

प्रयागराज- इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थित डाकखाना पिछले तीन दिन से सर्वर डाउन होने के कारण सफेद हाथी बना हुआ है. कोर्ट आदेश का अनुपालन कराने के लिए डाक भेजी नहीं जा पा रही है. क्योंकि सरकारी विभागों के खत, रजिस्ट्री इत्यादि भारतीय पोस्ट के माध्यम से ही भिजवाए जाते हैं.यही हाल कचहरी, प्रधान डाकघरों का भी है. साथ ही जिले के सभी डाकघरों में भी सर्वर ने लोगों को रूलाकर रख दिया है.बड़ी संख्या में लोगों की जहां कतार लग गई, वहीं लोगों को कतार में खड़े रहने के कारण परेशानी हुई.

सर्वर पर नियंत्रण नहीं-पोस्टमास्टर कहते हैं कि सर्वर पर उनका अथवा विभाग का कोई नियंत्रण नहीं है. अपग्रेडेशन चल रहा है, इस कारण कुछ दिन की कठिनाई है. हालांकि, रक्षाबंधन से पहले भी प्रधान डाकघर समेत अन्य डाकघरों में सर्वर डाउन होने से लोग परेशान थे. अब भी समस्या पूरी तरह नहीं सुलझी है और जनसामान्य को परेशान होना पड़ रहा है.

आदर्श समाजसेविका हैं सौ.नेहा चौधरी

संकल्प सेवा संस्था को बनाया है मानवता सेवी संगठन

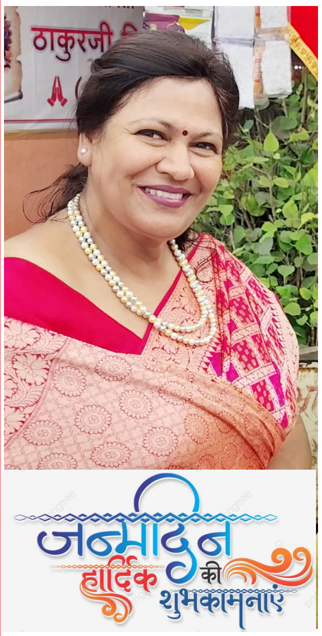

ज़ीवन में अपने लिए तो सभी जीते हैं लेकिन शास्त्रों के मुताबिक जो समाज के लिए जीता है, परमार्थ के लिए जीता है, उसे ही सही मायने में इंसान कहा जाता है. सौ. नेहा चौधरी बहुगुणी व्यक्तित्व हैं. संकल्प सेवा संस्था के माध्यम से जहां गरीब बच्चों की मदद करती हैं, वहीं रसोई ठाकुर की के माध्यम से सैकड़ों गरीबों ,जरूरतमंदों को भोजनदान का पुण्य सभी सहयोगियों के साथ मिलकर कर रही हैं. यही कारण है कि भाजपा की सचिव के साथ ही दर्जनों संगठनों की जिम्मेदारी उन पर विश्वास के साथ डाली गई है.उनका 3 नवंबर को जन्मदिन था, इस उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान की हार्दिक शुभकामनाएं. समाज में परिवर्तन लाने के लिए जिस शक्ति, संवेदना और संकल्प की आवश्यकता होती है, वह एक आदर्श समाजसेवी महिला नेहा चौधरी में अद्भुत रूप से समाहित है. वह केवल सेवा का प्रतीक नहीं होती, बल्कि प्रेरणा का स्त्रोत भी बनी हैं.आदर्श समाजसेवी महिला का ह्रदय करूणा से भरा है. वह समाज के दुख-दर्द को केवल सुनती नहीं, बल्कि उसे अपना मानकर समाधान की राह भी तलाशती है.गरीब बच्चों, वृद्धों, महिलाओं, दिव्यांगों और वंचित वर्गों की जीवन स्थितियों को सुधारने की दिशा में उनका प्रयास रहता है.सेवा उनके लिए कोई कर्तव्य नहीं, बल्कि जीवन का धर्म है.

वह बिना किसी अपेक्षा के समाज के लिए समय, ऊर्जा और संसाधन समर्पित करती है चाहे शिक्षा का प्रसार हो, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण या महिला सशक्तिकरण का अभियान,वह सभी में योगदान देती हैं. यही कारण है कि आज सेवा का पर्याय के रूप में लोकप्रिय हैं.संकल्प सेवा संस्था के माध्यम से संगठन करने की क्षमता अद्भुत है. वह लोगों को जोड़ती है, मार्गदर्शन देती है और सामूहिक प्रयासों से बड़े-बड़े कार्य सम्भव कर दिखाती है.उनका जीवन पारदर्शिता और मूल्यों पर आधारित है. वे कहती हैं कि सेवा काम से उन्हे वह समाज में विश्वास का स्तंभ बनती है. उनके वचन और कर्म में एकरूपता होती है, इसी कारण लोग सहज ही उससे जुड़ते और प्रभावित होते हैं. गरीब बच्चों के सेवा कार्य में कई लोग उनसे न केवल जुड़ते हैं, बल्कि उन्हें धन्यवाद भी देते हैं.आदर्श समाजसेवी महिला के रूप में सदा कुछ न कुछ उपक्रम चलाती हैं.शिक्षा और जागरूकता को सबसे शक्तिशाली हथियार मानती है.

वह बालिकाओं की शिक्षा, महिलाओं के अधिकार, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे विषयों पर निरंतर काम करती है. उसके प्रयासों से समाज में नई सोच विकसित होकर उनके साथ बड़ी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं.सामाजिक कार्यों में चुनौतियाँ आती ही हैं, परंतु वह धैर्य, संयम और दृढ़ इच्छाशक्ति से हर कठिनाई का सामना करते हुए स्थितियों को अपने पक्ष में करने में माहिर हैं. उनके जन्मदिन पर हजारों लोगों ने उन्हें मोबाइल, फोन, वाटसअैप सहित अन्य माध्यमों से शुभकामनाएं दी. इसे वे सेवा कार्य का आशिर्वाद मानती हैं. वह जहां भी जाती है, परिवर्तन का बीज बो देती है. उनकी मुस्कान में आशा, उसके कार्यों में सद्भाव और उसके व्यवहार में मानवता झलकती है. वह समाज के लिए एक मार्गदर्शक दीपक की तरह कार्य करती हैं. उनके मुताबिक सेवा कार्य में पति के साथ पूरे परिवार और समाजबंधुओं, शहरवासियों का साथ मिलने से उन्हें प्रोत्साहन मिलता है.

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मानवाधिकार में पाक का रिकार्ड सबसे घटिया-भारत

नई दिल्ली- जेनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 60वें सत्र में भारत ने पाकिस्तान को मानवाधिकारों पर आईना दिखाया और उसकी दोहरी नीति की कड़ी आलोचना की. भारत ने यह उजागर किया कि पाकिस्तान में किस तरह अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न किया जा रहा है. मानवाधिकारों पर उसका कितना खराब रिकार्ड है और वह इस मुद्दे पर उपदेश दे रहा है.भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए राजनयिक मोहम्मद हुसैन ने कहा कि यह कितना विडंबनापूर्ण है कि एक ऐसा देश, जिसका मानवाधिकार रिकार्ड सबसे खराब है, वह दूसरों को उपदेश देने का प्रयास कर रहा है. उन्होंने कहा, 'वे भारत के खिलाफ झूठे आरोपों के साथ इस मंच का दुरुपयोग करते हैं. इससे केवल उनकी दोहरी नीति उजागर होती है.हुसैन ने यह भी कहा कि पाकिस्तान को दुष्प्रचार के बजाय अपने यहां अल्पसंख्यकों के खिलाफ सरकार प्रायोजित उत्पीड़न और सुनियोजित भेदभाव से मुकाबला करना चाहिए. भारतीय राजनयिक ने जवाब देने के अधिकार के तहत पाकिस्तान को करारा जवाब दिया.

विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

महाराष्ट्र के साथ ही उत्तर प्रदेश में तेजी से लोकप्रिय हो रहे राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक विदर्भ स्वाभिमान के लिए विज्ञापन प्रतिनिधि की आवश्यकता है. मेहनती ही संपर्क करें.

- संपर्क -
विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय
छाया कॉलोनी,अकोली रोड, अमरावती.
मो. 9423426199, 8855019189

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

साईं चांडूराम साहिबजी के अस्थि कलश के 8 को होंगे दर्शन

देश के २५ जिलों में पहुंचेगी अस्थि कलश यात्रा, अमरावती से आरंभ,सुबह ११ बजे भानखेडा स्थित कंवरधाम पर पहुंचेंगे अस्थि कलश

विदर्भ स्वाभिमान,6 नवंबर

अमरावती- सचो साईं सतराम दास साहिब अमर शहीद संत श्री कंवरराम साहिब के अनन्य भक्त एवं ब्रम्हलीन संत आसुदाराम साहिबजी के अनमोल रत्न साईं चांडूराम साहिबजी के देवलोकगमन के पश्चात उनके अस्थि कलश के दर्शन उनके अनुयायियों को हो सकें, इस उद्देश्य के साथ देश के 25 जिलों में अस्थिकलश यात्रा निकाली जा रही है.अमरावती के भानखेडा स्थित कंवरधाम से इस यात्रा की शुरुवात होगी.ब्रम्हलीन साईं चांडूराम साहिबजी का अस्थिकलश शनिवार सुबह लखनऊ से नागपुर लाया जाएगा. इसके पश्चात सुबह 11 बजे तक अस्थिकलश भानखेडा स्थित कंवरधाम लाए जाएंगे. यहां पर अस्थि कलश भक्तों के दर्शनार्थ रखे जाएंगे. कंवर धाम में अस्थिकलश की पूजा-अर्चना की जाएगी और उसके बाद लंगर प्रसादी का आयोजन किया गया है. तत्पश्चात 5 बजे अस्थिकलश दस्तूर नगर गली नं. 2 के समाज मंदिर में लाए जाएंगे.यहां पर 5:30 बजे तक दर्शन के उपरांत अस्थिकलश को सिंधु नगर स्थित शदानी दरबार में ले जाया जाएगा और वहां पर इन्हें दर्शनार्थ रखा जाएगा. 6:30 बजे अस्थिकलश को शिवधारा आश्रम में ले जाया जाएगा.यहां से 7 बजे इन्हें पूज्य दरबार साहिब कंवर नगर में ले जाया जाएगा. तत्पश्चात राजापेठ स्थित समाधा आश्रम में 7:30 बजे दर्शनार्थ अस्थिकलश ले जाए जाएंगे. यहां से 8 बजे एसएसडी धाम में अस्थि कलश को दर्शनार्थ ले जाया जाएगा.यहां पर भजन सत्संग व लंगर प्रसादी का आयोजन किया गया है. संत बाबा आसुदाराम सेवा समिति की तरफ से पूज्य पंचायत कंवर नगर, पूज्य पंचायत दस्तूर नगर, पूज्य पंचायत रामपुरी कैम्प, पूज्य पंचायत बडनेरा और सभी संस्थाओं को अस्थि कलश दर्शन हेतु आमंत्रित किया गया है.

लखनऊ से आएंगे अस्थिकलश

शनिवार, 8 नवंबर को लखनऊ से ब्रम्हलीन साईं चांडूराम साहिबजी के अस्थिकलश नागपुर लाए जाएंगे. इसके बाद अमरावती में अस्थिकलश की दर्शन यात्रा के पश्चात अस्थि कलश नागपुर ले जाए जाएंगे. रविवार, 9 नवंबर को सुबह 9 बजे अस्थिकलश नागपुर स्थित तीरथ धाम सम्मान पहुंचाए जाएंगे. अधिकाधिक संख्या में नागरिकों से अस्थि कलश के दर्शन लाभ लेने की अपील आयोजकों द्वारा की गई है. अस्थिकलश यात्रा के संदर्भ में गुरुवार, 6 नवंबर को बाबा हरदासराम सेवा मंडल में तैयारियों का समीक्षा की गई. इस दौरान सभी संबंधितों को अस्थिकलश यात्रा की तैयारियों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई.सभी कार्यक्रम को अभूतपूर्व बनाने के लिए प्रयासरत हैं.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन 2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतचच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.

शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य

1350 फुट बांधकाम

संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

पूज्य बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन में बचपन के संस्कार अत्याधिक महत्वपूर्ण होते हैं. यह जिम्मेदार आमतौर पर महिलाओं की होती है. लेकिन मोबाइल ने इस व्यवस्था को प्रभावित किया है. बचपन में अच्छे संस्कार नहीं मिले हैं तो जीवन में आप कितने भी सज्जन व्यक्ति के साथ रहें, वह नहीं बदलते हैं. कई बार दो अलग-अलग संस्कारों में पले एक साथ रहने पर भी एक-दूसरे को नहीं समझ पाते हैं. सुधरने वाले के लिए कोई बहाना नहीं होता है और बिगड़ने की मानसिकता वाले को कोई संवार नहीं सकता है.

सुभाषचंद्र जे.दुबे
संपादक विदर्भ स्वाभिमान ९४२३४२६१९९

विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, गुरूवार 24 से 30 ज़ुलाई 2025 ❖वर्ष :16 ❖ अंक- 08 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत हैं. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

गलत धन कभी नहीं दे सकता है सुकून

जीवन में धन साधन दे सकता है लेकिन सुकून नहीं दे सकता है. जीवन केवल धन कमाने के लिए ही नहीं मिला है बल्कि परमात्मा ने इसे अनुपम उपहार के रूप में लोगों को दिया है. लेकिन दुर्भाग्य की बात यह है कि इंसान पैदा होने के बाद से धन के लिए जीना शुरू करता है. एक समय ऐसा आता है कि धन भी उसके काम नहीं आता है. धन के साथ ही सेवा के माध्यम से पुण्य कमाने का प्रयास करें.

सुभाषचंद्र दुबे, संपादक विदर्भ स्वाभिमान 9423426199

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com